Contents

अनुक्रमाणिका	पृष्ठ संख्या
अध्याय – प्रथम	1-45
– आख्यानक प्रयोग की परम्परा	
– पौराणिक आख्यानों की प्रासंगिकता	
– पुराण – कथा स्रोत की प्रासंगिक प्रस्तुतियाँ	
– विविध आयाम	
अध्याय – द्वितीय	46-97
– साठोत्तरी काव्य में बिम्ब और प्रतीक योजना	
– बिम्ब और प्रतीक	
– मिथकीय बिम्ब और कथ्याभिप्राय	
– प्रासंगिक संदर्भों में आख्यानक बिम्ब एवं प्रतीक	
– साठोत्तरी हिन्दी कविता का आख्यानक शिल्प	
अध्याय – तृतीय	98-154
– आख्यानक कविता का स्वरूप और मिथक प्रयोग	
– मिथ अर्थात् मिथक	
– मिथक की परिभाषा	
– मिथक का अर्थ	
– मिथक का विविध सन्दर्भों में प्रयोग	
– मिथक का स्वरूप	
– मिथक और पुराण	
अध्याय – चतुर्थ	155-२२५
– साठोत्तरी हिन्दी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ	
– साठोत्तरी हिन्दी काव्य, आख्यान और मिथक– विविध सन्दर्भ	
– पौराणिक आख्यानों की प्रासंगिकता एवं समाज चेतना	

अध्याय - पंचम ---------------- पृष्ठ संख्या 226-272

- साठोत्तरी हिन्दी काव्य-भाषा का अभिव्यंजना शिल्प
- भाषा के विविध स्वरूप
- शब्द संयोजना एवं शब्द शक्तियाँ
- संवाद; संयोजना
- काव्य भाषा का वैविध्य
- काव्य - भाषा के तेवर

अध्याय - षष्ठ ---------------- 273-345

- साठोत्तरी मिथक कविता और प्रमुख हस्ताक्षर

अध्याय - सप्तम ---------------- 346-364

- उपसंहार

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची ---------------- 365-386